दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२६८ वा | सोमवार २८ एप्रिल २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

मुंबई में ईडी कार्यालय में भीषण आग, महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर खाक

मुंबई, प्रतिनिधि (जमीर काज़ी):

मुंबई के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय में रविवार तड़के भीषण आग लग गई, जिसने कई राजनेताओं और उद्योगपतियों से संबंधित जांचों को झटका दिया है। इस आग में पांच मंजिला इमारत के चार मंजिलें आग की चपेट में आ गईं, और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, जांच से जुड़े सबूत तथा कागजात जलकर खाक हो गए, ऐसी आशंका व्यक्त की जा रही है।

आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग को लगभग आठ घंटे तक अथक प्रयास करने पड़े। इस घटना में चारों मंजिलों पर रखे फर्नीचर, लकड़ी का सामान और

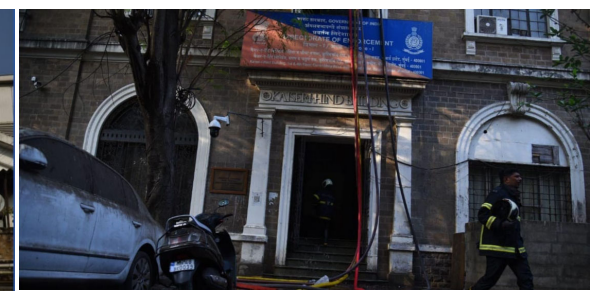

कई कागजात नष्ट हो गए। हालांकि, आग का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन शॉर्ट सर्किट की संभावना जताई जा रही है।

दक्षिण मुंबई के बैलार्ड एस्टेट क्षेत्र स्थित कैसर-ए-हिंद इमारत में ईडी का मुंबई डिवीजनल कार्यालय है। शनिवार आधी रात करीब ढाई बजे आग लगने की सूचना दमकल विभाग को मिली। सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर दस दमकल गाड़ियाँ रवाना की गईं।

लेकिन इमारत की गैलरी और कॉमन पैसेज में भरा हुआ सामान आग बुझाने के कार्य में बाधा उत्पन्न कर रहा था। धुएं के कारण नीचे से लेकर ऊपर तक चारों मंजिलें पूरी तरह भर गई थीं। लकड़ी का सामान अधिक होने से आग तेजी से फैल गई।

दमकल जवानों ने अथक प्रयास करते हुए आग को नियंत्रण में लाने का प्रयास किया। इसके लिए आठ दमकल गाड़ियाँ, छह जंबो टैंकर, एक एरियल वॉटर टॉवर टेंडर, एक ब्रीदिंग अप्लायंसेस वैन, एक रेस्क्यू वैन, एक फास्ट रिस्पॉन्स व्हीकल और १०८ सेवा की एक एंबुलेंस तैनात की गई थी। आग की लपटों को बगल की इमारतों में फैलने से रोका गया और फिर हर मंजिल पर आग पर नियंत्रण पाया गया। हालांकि, फर्नीचर, लकड़ी के कैबिनेट और कागजात जलकर पूरी तरह नष्ट हो गए। दोपहर लगभग १२ बजे आग पर काबू पा लिया गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

हालांकि, ईडी सहित अन्य कार्यालयों का फर्नीचर, कंप्यूटर और दस्तावेज जलकर खाक हो गए हैं। आग लगने के कारण की जांच जारी है और एमआरए पुलिस थाने में इस घटना की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

ईडी द्वारा जांच किए जा रहे सैकड़ों मामलों से संबंधित दस्तावेज और सबूत इस कार्यालय में रखे थे, जिनमें कई राजनेताओं, उद्योगपतियों और व्यापारियों के वित्तीय गड़बड़ी के प्रकरण शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, अधिकांश सबूत डिजिटल फॉर्मेट में सुरक्षित हो सकते हैं, लेकिन कागजी दस्तावेजों के नष्ट हो जाने की पुष्टि हुई है।

साद अशफाक इनामदार ने किया हिफ़्ज़-ए-कुरान मुकम्मल, इलाके में खुशी की लहर

बीड, प्रेस रिलीज:

बड़े ही फख़्र और खुशी के साथ यह मुबारक खबर पेश की जा रही है कि मदरसा इमामे रब्बानी, नेरल मुंबई के छात्र और बीड़ की हरदिलअज़ीज़ शख्सियत जनाब हाजी इसाकउद्दीन इनामदार के पोते तथा अशफाक इनामदार के साहबजादे हाफिज साद अशफाक इनामदार ने अपना हिफ़्ज़-ए-कुरान (पूरा कुरान याद करना) का मुबारक कोर्स मुकम्मल कर लिया है।

हाफिज साद ने मदरसा इमामे रब्बानी, नेरल मुंबई से यह मुकम्मल किया और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता हज़रत मौलाना सज्जाद नोमानी साहब दामत बरकातुहुम की निगरानी और सरपरस्ती में हाफिज-ए-कुरान की सनद हासिल की। यह अज़ीम नेमत न सिर्फ उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे इलाके और तमाम मुहिब्बीन-ए-दीन के लिए भी बेहद खुशी और फख़्र का मौका है। इस मुबारक अवसर पर हाफिज साद और उनके मुहतरम वालिद अशफाक इनामदार की गुलपोशी करते हुए दिल से मुबारकबाद पेश की गई और नेक दुआओं और रौशन तमन्नाओं का इज़हार किया गया।

इस मौके पर दुआ की गई: अल्लाह तआला हाफिज साद के इल्म को नाफ़े और अमल को मकबूल बनाए, उनके दिल को हिदायत की ताजदारी से सजाए, उन्हें उम्मत का खैरख्वाह और दीन का सच्चा खिदमतगुज़ार बनाए। उनकी जिंदगी को इल्म व अमल की रौशनी से दमकता चिराग बना दे। अल्लाह रब्बुल इज़्ज़त उनके इल्म व अमल में खूब बरकत अता फरमाए, उन्हें दीन की सेवा का ज़रिया बनाए, उम्मत की रहनुमाई करने वाला और दीन की बुलंदी का सच्चा सिपाही बनाए। उनकी जिंदगी इल्म व हिकमत की रोशनी से हमेशा दमकती रहे। आमीन या रब्बल आलमीन!

दैनिक तामीर भी हाफिज साद अशफाक इनामदार को इस शानदार कामयाबी पर दिली मुबारकबाद पेश करता है।

शेतकऱ्यां के हित में युनिक फार्मर आईडी अभियान तेज, जिलाधिकारी विवेक जॉन्सन ने तपती धूप में किया दौरा

बीड, प्रतिनिधि:

रविवार २७ अप्रैल को जिलाधिकारी विवेक जॉन्सन ने बीड की उपविभागीय अधिकारी कविता जाधव, बीड के तहसीलदार चंद्रकांत शेलके, जिला नियोजन अधिकारी सुधाकर चिंचाणे, जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी श्रीकृष्ण शिंदे सहित तपती धूप में दौरा किया। उद्देश्य एक ही था - शासकीय स्तर पर किसानों के हित के लिए चलाई जा रही युनिक फार्मर आईडी बनाने की प्रक्रिया को गति देना। जिले में अपेक्षित प्रतिसाद नहीं मिल रहा था, इसलिए किसानों को जागरूक करने हेतु यह दौरा किया गया।

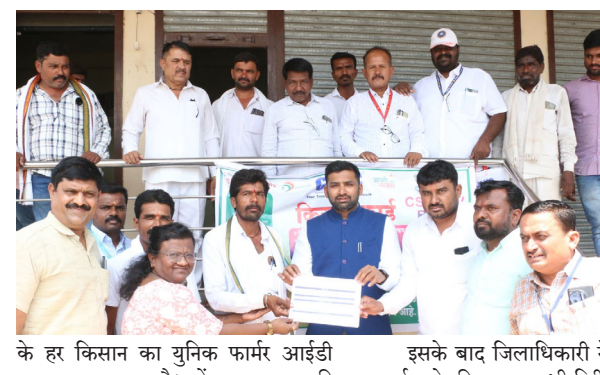

सबसे पहले जिलाधिकारी का काफिला शहर के आईटीआई कॉलेज परिसर पहुंचा, जहां प्रस्तावित इन्क्यूबेशन सेंटर यानी नए उद्यमियों के प्रशिक्षण केंद्र की जगह का निरीक्षण किया गया। इसके बाद जिलाधिकारी ने तहसीलदार को निर्देश दिया कि जहां किसानों के फार्मर आईडी बनाए जा रहे हैं, वहां ले जाया जाए। इस पर तहसीलदार चंद्रकांत शेलके ने वासनवाड़ी ग्राम पंचायत का चयन किया।

वासनवाड़ी में सरपंच गणेश खोड़े, अशोक भाऊले, नंदकुमार खोड़े तथा ग्रामीण नागरिकों के साथ मंडल अधिकारी बाबासाहेब तांदले, ग्राम राजस्व अधिकारी शशांक कुलकर्णी, जगन्नाथ राऊत, शरद घोडके उपस्थित थे।

इस अवसर पर जिलाधिकारी विवेक जॉन्सन ने उपस्थित किसानों को फार्मर आईडी की अनिवार्यता और महत्व समझाते हुए कहा कि जैसे देश के हर नागरिक का आधार कार्ड होता है, उसी तरह महाराष्ट्र के हर किसान का युनिक फार्मर आईडी बनाया जा रहा है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी एग्रीस्टैक योजना के तहत महाराष्ट्र सरकार राज्य के हर किसान के यूनिक फार्मर आईडी को उनके जमीन रिकॉर्ड से जोड़ने का काम कर रही है। इस अभियान के तहत ग्राम स्तर पर विशेष शिविरों के माध्यम से एक करोड़ से अधिक किसानों के यूनिक फार्मर आईडी बनाए जा रहे हैं।

भविष्य में सभी सरकारी योजनाओं के लाभ, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, फसल बीमा, फसल क्षतिपूर्ति, एमएसपी दर पर फसल बिक्री, कृषि सलाह, बाजार संबंधी जानकारी और जमीन खरीद-बिक्री जैसे सभी कार्य युनिक फार्मर आईडी के माध्यम से ही संभव होंगे।

उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि राजस्व, कृषि और ग्राम विकास विभाग के कर्मचारियों की मदद से जल्द से जल्द फार्मर आईडी बनवाएं। वासनवाड़ी में किसान मदन घाटे का मौके पर ही फार्मर आईडी बनाकर उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

इसके बाद जिलाधिकारी ने प्रस्तावित हवाई अड्डे की जगह का भी निरीक्षण किया। कामखेड़ा में लगभग साढ़े तीन किलोमीटर लंबी और ३५० मीटर चौड़ी प्रस्तावित रनवे और परिसर का जायजा लिया गया। इस दौरान जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी श्रीकृष्ण शिंदे, उपविभागीय अधिकारी कविता जाधव ने आवश्यक जानकारी दी, वहीं तहसीलदार चंद्रकांत शेलके और मंडल अधिकारी अंगद काशीद ने नक्शे के माध्यम से प्रस्तावित हवाई अड्डे की सीमाएं और भूमि गटों के समावेश की विस्तृत जानकारी दी। बाद में जिलाधिकारी ने कामखेड़ा स्थित सीएससी केंद्र का भी दौरा किया। सरपंच बिलाल पटेल, सचिन जमदाडे, गजानन फाटे, सय्यद मोहम्मद सय्यद उस्मान, गणेश नेवडे, अरुण पवार, परमेश्वर पवार, रज्जाक शेख, प्रकाश वाघमारे, अब्दुल रहीम उस्मान शेख, सलीम शेख सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

यहां जिलाधिकारी ने एग्रीस्टैक प्रकल्प अंतर्गत फार्मर आईडी की महत्ता पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया और किसान सय्यद मोहम्मद सय्यद उस्मान का फार्मर आईडी तुरंत बनवाया। किसानों ने जिलाधिकारी के साथ खुले दिल से संवाद किया।

रखरखती धूप और छुट्टी के दिन भी जिलाधिकारी विवेक जॉन्सन ने किसानों के बीच जाकर चर्चा की, उनकी समस्याएं सुनीं और फार्मर आईडी अभियान में तेजी लाने का संदेश दिया। इससे किसानों में संतोष व्यक्त किया जा रहा है।

वर्तमान में पूरे जिले में उपविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, मंडल अधिकारी, ग्राम राजस्व अधिकारी, गट विकास अधिकारी, ग्रामसेवक, तालुका कृषि अधिकारी, कृषि सहायकों के माध्यम से फार्मर आईडी बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है। जिलाधिकारी विवेक जॉन्सन ने अपील की कि सभी नागरिक आगामी दो दिनों के भीतर अपने स्थानीय तलाठी, ग्रामसेवक, कृषि सहायकों से संपर्क कर शत प्रतिशत फार्मर आईडी एग्रीस्टैक प्रकल्प अंतर्गत बनवाएं।

ऑटो रिक्शा ड्राइवर की बेटी अदीबा अशफाक बनीं महाराष्ट्र की पहली मुस्लिम महिला आईएएस अधिकारी

अकोला, प्रतिनिधि:

महाराष्ट्र के अकोला जिले से ताल्लुक रखने वाली अदीबा अशफाक ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। साधारण आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाली अदीबा ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) परीक्षा में सफलता प्राप्त कर राज्य की पहली मुस्लिम महिला आईएएस अधिकारी बनने का गौरव प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में गर्व की भावना व्याप्त है।

अदीबा अशफाक के पिता ऑटो रिक्शा चालक हैं, जबकि मां घरेलू महिला हैं। कठिन परिस्थितियों के बावजूद अदीबा ने शिक्षा को अपना लक्ष्य बनाकर कठिन परिश्रम किया। उन्होंने अकोला में अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त की और फिर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतिष्ठित परीक्षा में भाग लिया। इस परीक्षा में उन्होंने १४२वीं रैंक प्राप्त कर सफलता का परचम लहराया।

आईएएस बनने के अपने सफर के दौरान अदीबा ने कई कठिनाइयों का सामना किया। परिवार की आर्थिक स्थिति सीमित थी, लेकिन माता-पिता के समर्थन और अपनी मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी। अदीबा का मानना है कि हालात चाहे जैसे भी हों, यदि संकल्प दृढ़ हो तो कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान अदीबा को महाराष्ट्र के विभिन्न सरकारी अस्पतालों के निरीक्षण का कार्य सौंपा गया। उन्होंने सात अस्पतालों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का गहन अध्ययन किया और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सुझाव प्रस्तुत किए। इस दौरान उन्होंने मरीजों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुना और प्रशासनिक स्तर पर सुधार की दिशा में कार्य किया।

उनके द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्टों और सुझावों को वरिष्ठ अधिकारियों ने सराहा और उन्हें स्वास्थ्य प्रबंधन एवं प्रशासनिक कार्यों में विशेष योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया। अदीबा के कार्य को देखते हुए भविष्य में उन्हें स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारी सौंपे जाने की संभावना जताई जा रही है।

अपनी सफलता पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अदीबा ने कहा कि उनका सपना शुरू से ही समाज में बदलाव लाना था। उन्होंने विशेष रूप से मुस्लिम बेटियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा को हथियार बनाएं और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

अदीबा अशफाक की इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार को गौरवान्वित किया है, बल्कि पूरे अकोला और महाराष्ट्र के मुस्लिम समाज के लिए एक नई प्रेरणा का स्रोत प्रस्तुत किया है।

सशक्त पीली सेना ने पाकिस्तान के खिलाफ किया जोरदार प्रदर्शन, शहीदों को दी श्रद्धांजलि, वायरल वीडियो पर जताया गहरा आक्रोश

आगरा, उमेर अजहर

सशक्त पीली सेना ने रविवार को एमजी रोड स्थित स्पीड कलर लैब के बाहर पाकिस्तान का पुतला दहन कर जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन का नेतृत्व सेना की राष्ट्रीय अध्यक्ष शबाना खंडेलवाल ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर पाकिस्तान विरोधी नारे लगाए और देशभक्ति का संदेश दिया।

शबाना खंडेलवाल ने इस मौके पर हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष लोगों की हत्या की कड़ी निंदा करते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा, पाकिस्तान लगातार आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है और अब समय आ गया है कि उसे उसके कृत्यों का करारा जवाब दिया जाए।

शबाना खंडेलवाल ने हाल ही में वायरल हुए एक वीडियो का भी जिक्र किया, जिसमें दो युवक एक संगठन का नाम लेते हुए कहते हैं, अभी दो मारे हैं, अब २६०० और मारेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे वीडियो समाज में दहशत और भय का माहौल बनाते हैं, जिसकी गंभीर जांच होनी चाहिए। उन्होंने दो टूक कहा, अब पाकिस्तान की नापाक साजिशों का माकूल जवाब देने का समय आ गया है।

उन्होंने केंद्र सरकार से पाकिस्तान के खिलाफ कड़े और निर्णायक कदम उठाने की मांग करते हुए कहा, अब सहनशीलता की सारी सीमाएं समाप्त हो चुकी हैं। सख्त कार्रवाई ही एकमात्र समाधान है। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर गुड्डू कुरैशी, अनीस राजपूत, जावेद हुसैन, मोहम्मद आदिल, ताज मोहम्मद, शानू खान, मोहम्मद साजिद, इब्रार अहमद, चौधरी बब्बू कुरैशी, सिंधी कुरैशी, अनिल कुमार, वैश्नवी शर्मा, अंजना कुलकर्णी, रैना अग्रवाल, विनायक समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

यह प्रदर्शन पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को समर्थन दिए जाने के खिलाफ बढ़ते आक्रोश और मजबूत राष्ट्रीय प्रतिक्रिया की आवश्यकता को उजागर करता है

आ. संदीप क्षीरसागर और पूर्व विधायक सैयद सलीम द्वारा वरिष्ठ पत्रकार काज़ी परिवार को शोक संवेदना

गेवराई तालुका के वरिष्ठतम पत्रकार काज़ी हयातुल्ला के निधन का समाचार मिलने के बाद बीड विधानसभा क्षेत्र के विधायक संदीप भैय्या क्षीरसागर, पूर्व विधायक सैयद सलीम, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष राजेंद्र मस्के और 'दैनिक सांज सुयोग' के संपादक शेख वकील अहमद ने उनके निवास स्थान पर जाकर दिवंगत पत्रकार काज़ी अमान के परिजनों से शोक व्यक्त किया।

इस अवसर पर शिवसेना के उपजिल्हा प्रमुख शेख एजाज, शेख बदरुद्दीन, सामाजिक कार्यकर्ता काज़ी शौकत तथा काज़ी परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार को ढांढस बंधाया।

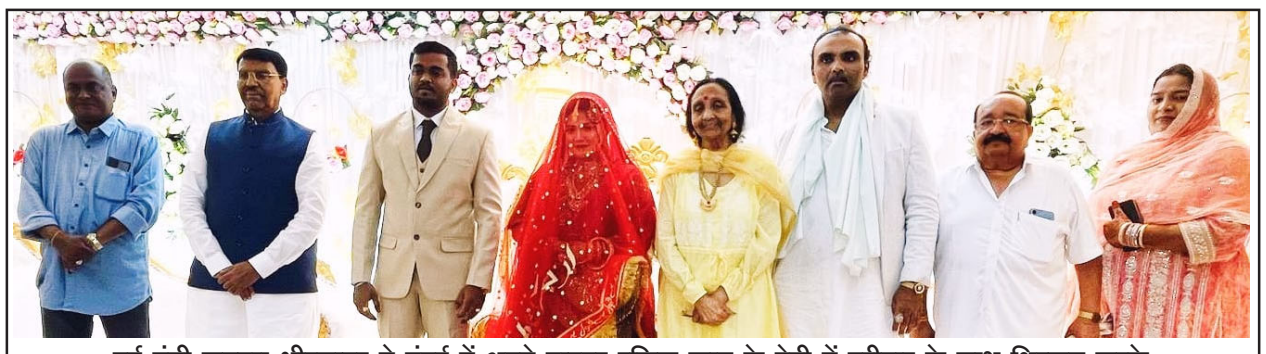

पुर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर ने मुंबई में अपने ड्राइवर रफिक खान के बेटी में परीवार के साथ शिरकत करके दुलह दुल्हन को मुबारक बाद दि।

लोकसेवा अधिकार अधिनियम की दशकपूर्ति पर आज राज्यस्तरीय समारोह

विशेष प्रतिनिधि

मुंबई :

सामान्य प्रशासन विभाग (प्रशासकीय नवाचार, उत्कृष्टता एवं सुशासन) और महाराष्ट्र राज्य सेवा अधिकार आयोग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को महाराष्ट्र लोकसेवा अधिकार अधिनियम, २०१५ के क्रियान्वयन की दशकपूर्ति तथा प्रथम सेवा अधिकार दिवस के अवसर पर राज्यस्तरीय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस समारोह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

यह कार्यक्रम मुंबई के सह्याद्री अतिथिगृह में दोपहर एक बजे से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार तथा मुख्य सचिव सुजाता सौनिक भी उपस्थित रहेंगे। इस आशय की जानकारी राज्य सेवा अधिकार आयोग के मुख्य आयुक्त मनु कुमार श्रीवास्तव ने दी है।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र राज्य में नागरिकों को सरकार एवं उसके अधीनस्थ सभी सार्वजनिक प्राधिकरणों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली अधिसूचित सेवाएं पारदर्शी, गतिशील और निर्धारित समयसीमा के भीतर उपलब्ध कराई जा सकें, इसके लिए महाराष्ट्र लोकसेवा अधिकार अधिनियम २०१५ पारित किया गया था। इस अधिनियम का उद्देश्य नागरिकों को सहज, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं प्रदान करना है।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए नया मॉडल तैयार किया जाएगा-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

देश की तेज़ी से प्रगति कर रही स्वास्थ्य सेवा को मिला वैश्विक स्तर पर सम्मान-केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी.नड्डा

सरकारी कैंसर अस्पताल में ट्रू बीम विकिरण प्रणाली का लोकार्पण

छत्रपति संभाजीनगर, (औरंगाबाद) २७ अप्रैल (विमाका):

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग के समन्वय से अगले तीन से चार वर्षों में स्वास्थ्य सेवा के लिए त्रिस्तरीय प्रणाली स्थापित की जाएगी। इसके माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति को घर से तीन से पांच किलोमीटर के दायरे में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए नया मॉडल तैयार किया जाएगा।

इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने कहा कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं के विकास पर विशेष बल दिया जा रहा है। इस वर्ष विशेष रूप से कैंसर उपचार पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसके चलते ९०% कैंसर मरीजों का निदान के ३० दिनों के भीतर इलाज शुरू किया गया है। इस उपलब्धि की वैश्विक स्तर पर भी सराहना हुई है।

सरकारी कैंसर अस्पताल में ट्रू बीम यूनिट जैसी अत्याधुनिक विकिरण प्रणाली और कैंसर संस्थान के विस्तारित भाग का लोकार्पण मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता तथा केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और रसायन व उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा के हाथों संपन्न हुआ।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रिफ, इमाव कल्याण मंत्री अतुल सावे, विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, राज्यसभा सांसद डॉ. भागवत कराड, सांसद संदीपन भुमरे, विधायक सतीश चव्हाण, विधायक संजय केणेकर, विधायक नारायण कुचे, विधायक अनुराधा चव्हाण, विधायक संजना जाधव, चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव धीरज कुमार, आयुक्त राजीव निवतकर, डीन डॉ. शिवाजी सुक्रे, राज्य कैंसर संस्थान के सलाहकार डॉ. कैलास शर्मा, विशेष कार्याधिकारी डॉ. अरविंद गायकवाड और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि छत्रपति संभाजीनगर में ट्रू बीम जैसी अत्याधुनिक कैंसर उपचार सुविधा उपलब्ध होना अत्यंत संतोषजनक है। राज्य में सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में पहली बार इतनी उन्नत प्रणाली स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि जीवनशैली में बदलाव के कारण कैंसर के मामलों में वृद्धि हुई है, और ट्रू बीम जैसी तकनीक से सटीक स्थान पर विकिरण उपचार संभव हुआ है।

अब तक इस उपचार के लिए मरीजों को मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल जाना पड़ता था, लेकिन अब छत्रपति संभाजीनगर में यह सेवा उपलब्ध होने से मराठवाड़ा और आस-पास के जिलों के मरीजों को राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि केंद्र सरकार के सहयोग से २०१६ में यहां के सरकारी कैंसर अस्पताल को राज्य कैंसर संस्थान का दर्जा दिया गया था, और आज आधुनिक उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि अब यहां पेट सिटी स्कैन मशीन भी जल्द स्थापित की जाएगी जिससे कैंसर के इलाज में और भी सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में राज्य में लगभग दस नए मेडिकल कॉलेज शुरू किए गए हैं, जिससे चिकित्सा शिक्षा की सीटों में भी वृद्धि हुई है। मेडिकल कॉलेजों के लिए बुनियादी ढांचे को सशक्त करने हेतु लगभग पांच हजार करोड़ रुपये का ऋण उठाया गया है।

देश की स्वास्थ्य सेवा को मिला वैश्विक स्तर पर सम्मान - केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने कहा कि देश में बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य उपचार सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, और इस वर्ष कैंसर पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि शीघ्र निदान और शीघ्र उपचार के चलते ९०% मरीजों का इलाज ३० दिनों के भीतर शुरू हो पाया है और इसकी वैश्विक स्तर पर सराहना की गई है।

उन्होंने कहा कि २०१९ में जिस स्थान का भूमिपूजन उन्होंने किया था, उसी जगह पर आज आधुनिक अस्पताल का उद्घाटन करना उनके लिए गर्व की बात है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश में २०० डे केयर सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं और स्वास्थ्य सेवा के लिए १०० नए नर्सिंग कॉलेज खोले जाएंगे।

नड्डा ने कहा कि ट्रू बीम तकनीक से अब कैंसर के मरीजों का अधिक सटीक और प्रभावी उपचार संभव होगा। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ५ लाख रुपये तक के निःशुल्क उपचार सुविधा का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में आज ७८० मेडिकल कॉलेज हैं और चिकित्सा शिक्षा के लिए फंड की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी।

देश में १.७५ लाख आयुष्मान स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां पर कैंसर की स्क्रीनिंग सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इससे समय पर तोंड, स्तन और अन्य प्रकार के कैंसर का निदान संभव हो पाया है।

मराठवाड़ा के कैंसर मरीजों के लिए वरदान - चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रिफ

चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रिफ ने कहा कि राज्य कैंसर संस्थान के इतिहास में आज का दिन महत्वपूर्ण है। २०१२ में १०० बेड से शुरू हुआ कैंसर अस्पताल अब ३०० बेड तक विस्तारित हो चुका है। जन आरोग्य योजना सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि जल्द ही अस्पताल में पेट स्कैन सुविधा भी शुरू की जाएगी, जिससे मराठवाड़ा क्षेत्र के कैंसर मरीजों को अत्यंत लाभ मिलेगा। उन्होंने केंद्र सरकार से इस संस्थान को एम्स का दर्जा देने का अनुरोध भी किया।

डॉ. कैलास शर्मा ने भी इस अवसर पर कैंसर एवं उपचार पद्धति के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर भारतीय बहुजन कर्मचारी संघ की ओर से केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में सरकारी मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

लोकनेता एकनाथ गायकवाड की चौथी पुण्यतिथि पर विशेष

आंबेडकरी विचारधारा और कांग्रेस के सच्चे सिपाही रहे स्व.एकनाथ गायकवाड

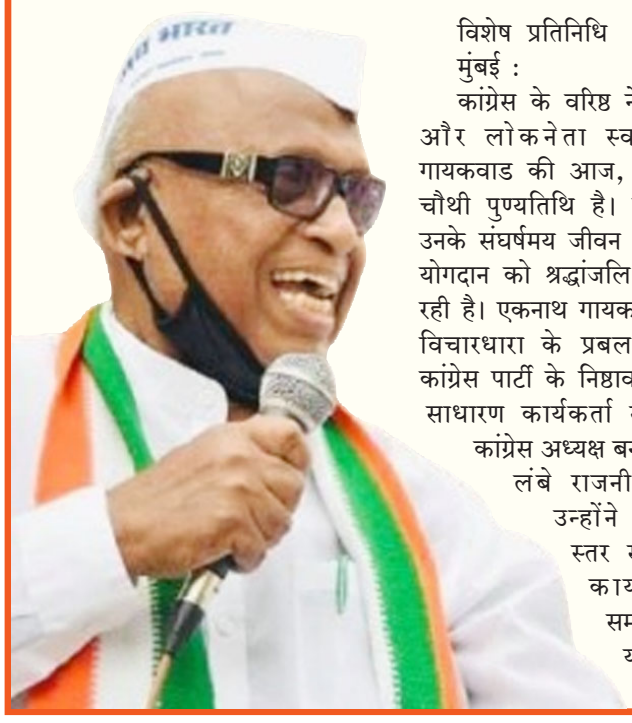

विशेष प्रतिनिधि

मुंबई :

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व सांसद और लोकनेता स्वर्गीय एकनाथ गायकवाड की आज, २८ अप्रैल को चौथी पुण्यतिथि है। इस अवसर पर उनके संघर्षमय जीवन और राजनीतिक योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। एकनाथ गायकवाड आंबेडकरी विचारधारा के प्रबल समर्थक और कांग्रेस पार्टी के निष्ठावान सिपाही रहे। साधारण कार्यकर्ता से लेकर मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष बनने तक के अपने लंबे राजनीतिक सफर में उन्होंने हमेशा जमीनी स्तर से जुड़े रहकर कार्यकर्ताओं का सम्मान बनाए रखा, यही कारण है कि वे लोकनेता कहलाए।

स्वर्गीय गायकवाड ने अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरुआत युवावस्था में कांग्रेस पार्टी के माध्यम से की और अंतिम सांस तक कांग्रेस की विचारधारा के प्रति निष्ठावान बने रहे। वर्ष १९८५ में उन्होंने पहली बार धारावी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीतकर विधायक बने। इसके बाद १९९० और १९९९ में भी धारावी से विजय प्राप्त की। २००४ में उन्होंने उत्तर मध्य लोकसभा क्षेत्र से शिवसेना के वरिष्ठ नेता मनोहर जोशी को हराकर सबको चौंका दिया। यह ऐतिहासिक जीत आम जनता के बीच उनकी लोकप्रियता का प्रमाण थी।

एकनाथ गायकवाड ने धारावी के सभी समाज घटकों को कांग्रेस के साथ जोड़ने का सफल प्रयास किया। समाज के वंचित तबके के लोगों की समस्याओं के समाधान हेतु उन्होंने लगातार संघर्ष किया। धारावी का नाम आते ही आज भी एकनाथ गायकवाड का नाम स्वतः स्मरण होता है। उनके कार्यों की बदौलत उनकी पुत्री वर्षा गायकवाड धारावी से तीन बार विधायक निर्वाचित हुईं, जबकि २०२४ के विधानसभा चुनाव में उनकी दूसरी पुत्री डॉ. ज्योति गायकवाड को भी जनता ने आशीर्वाद दिया। यह गायकवाड परिवार के प्रति धारावीवासियों के गहरे विश्वास का प्रतीक है।

एकनाथ गायकवाड का राजनीतिक और सामाजिक जीवन अत्यंत प्रेरणादायक रहा है। एक साधारण पृष्ठभूमि से आकर, संघर्ष, जनसंपर्क और जुझारूपन के बल पर उन्होंने राजनीति में ऊँचा स्थान प्राप्त किया। जाति, धर्म और संप्रदाय से ऊपर उठकर उन्होंने 'हम सब एक हैं' का संदेश दिया और जनता के विकास को ही सत्ता का असली उद्देश्य माना।

अपने राजनीतिक करियर में वे तीन बार विधायक, दो बार सांसद, मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रहे। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, सामाजिक न्याय और श्रम जैसे महत्त्वपूर्ण विभागों का उन्होंने सफलतापूर्वक संचालन किया। सांसद के रूप में भी उन्होंने जनता से जुड़े कई मुद्दे लोकसभा में प्रभावी ढंग से उठाए।

मुश्किल समय में मुंबई कांग्रेस की कमान संभालते हुए उन्होंने पार्टी नेतृत्व का भरोसा मजबूत किया। वे न केवल कांग्रेस के भीतर बल्कि अन्य दलों और बहुजन आंदोलन के नेताओं के बीच भी सम्मानित थे। एकनाथ गायकवाड ने बाबासाहेब आंबेडकर के अंतरराष्ट्रीय स्मारक के लिए इंदू मिल आंदोलन, बीडीडी चाल निवासियों के हक के लिए आंदोलन और धारावी पुनर्विकास जैसे बड़े संघर्षों का नेतृत्व किया।

कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना मरीजों की सेवा, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और प्रवासी मजदूरों को सुरक्षित घर पहुँचाने का कार्य किया। सेवा कार्य करते हुए वे स्वयं कोरोना संक्रमित हो गए और २८ अप्रैल २०२१ को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उनका निधन हो गया।

स्व. एकनाथ गायकवाड का जीवन संघर्ष, सेवा और जनहित के प्रति समर्पण की मिसाल है, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

लेखक:

सुरेशचंद्र राजहंस

(प्रवक्ता, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं कार्याध्यक्ष, रयत महासंघ)

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com